THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO. BB—1971—

279-155

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

SIDDHIGURUÑÑÄ

3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.

5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER

7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWĀRĪ

8. Script

16 cm. x 6 cm.

9. Size

5

10. Lines to a page

35

11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks Tantric magical practices with illustration

ॐसिद्धिचण्डाक्षीकापथमथनाथकाकनाक्षमपलपल
पीपाडाकपालचुनयाश्वखूपलनक्षत्थयाडालाक्षमस्वान
पत्यछायथमयाक्षमिसावानकलछायाश्रीक्ष्रीं क्ष्रीं॥ध्वान
क्षलथयाडाकायस्वनडाचांलिंगनसाक्षहायमालया
साधनश्च॥ ॥सिद्धिवज्राग्निवर्कानलीकुमसानायली
हस्तश्लीहस्तःधूपनीवर्चिथमयाक्षमिसाथडावस्यया

यजिङ्गा ॥ ॐ नमः स्वाहा ॥ क्षं ॥ श्रीमद्राज्ञ्या हृदयाय नमः
कापालस्त्रिशक्तिविकटनमस्थिमन्त्राय शिखायै वषट्
॥ ॥ ॐ नमः सिद्धिरुद्र ब्रह्मशक्ति कंकनयनाः हृदयवीरा
श्रा ॥ क्षं ॥ मन्दरयाकयालस्त्रंजलरूपा ॥ थक्रनद्रजाजालमा
लिनी ॥ वाराहचर्मासनीनमिसावस्त्रंशला ॥ ॥ प्रायुचूक्षा
कसूपासा मिसवाडापस्त्रस्त्रस्त्वा ॥ मिसामयनकेकथक्ष
॥ खिलिउलनकोडनियाखिलिउलनकयङ्क मिसायास्वाल

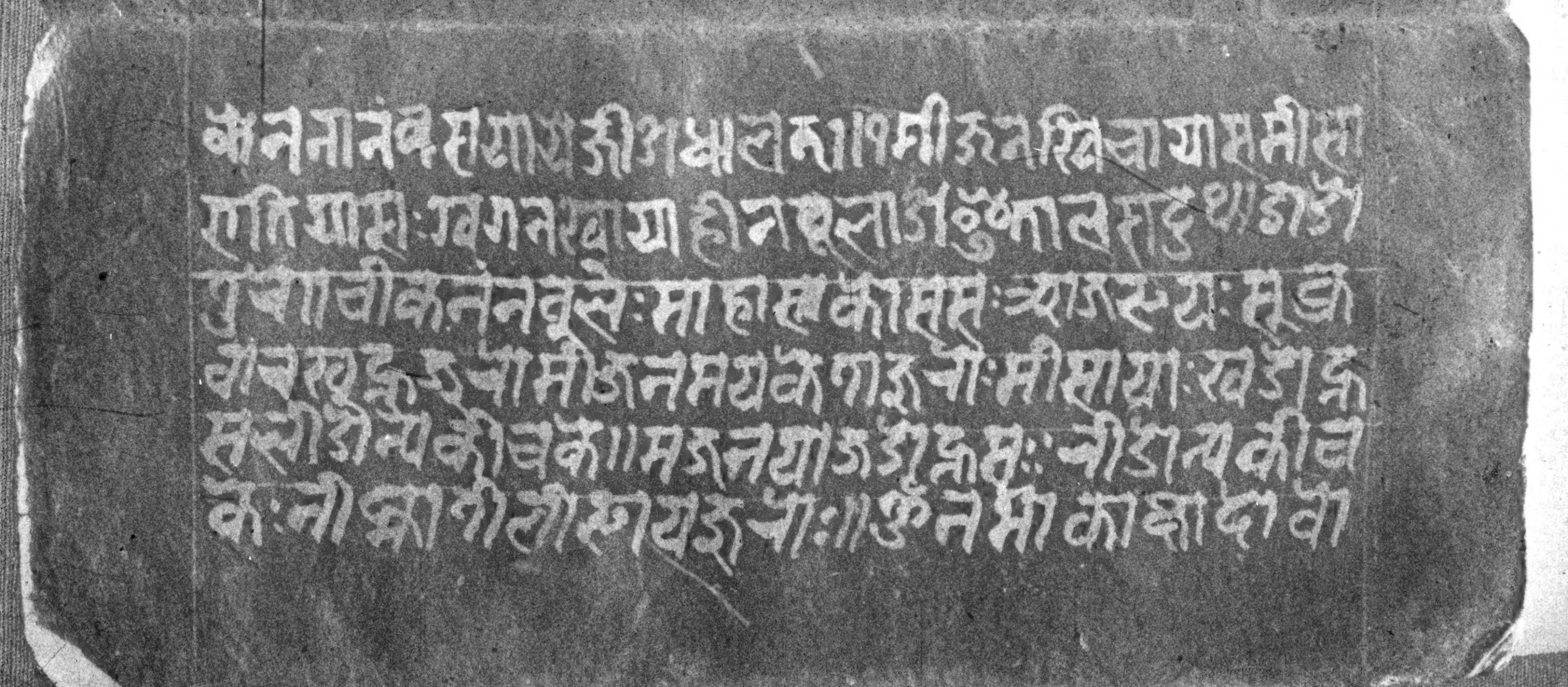

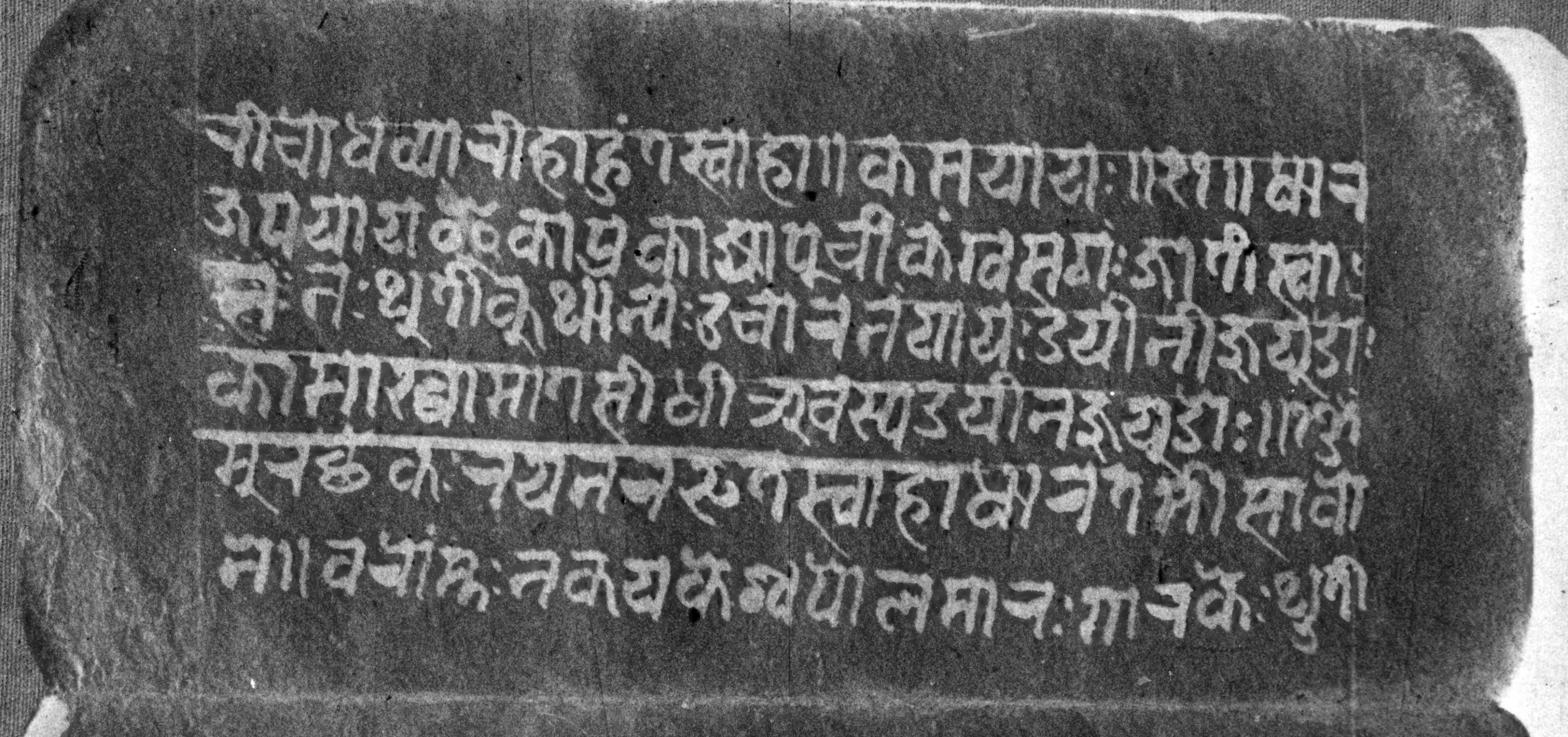

ॐ
नमश्चण्डि
का
हा
सिद्धिकाय्यामजि
अदवीयाकमोल्ली
खराजाकिया ॐ २
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
चिरूपीवर्ड
थजाविसरसूजा
थचक्रवगडाअ
यसउनिसखाय
थजाव्यापनयाथवल
सभवनमध्यागजाओल
खेयाहिनवोगाजाथसमपत

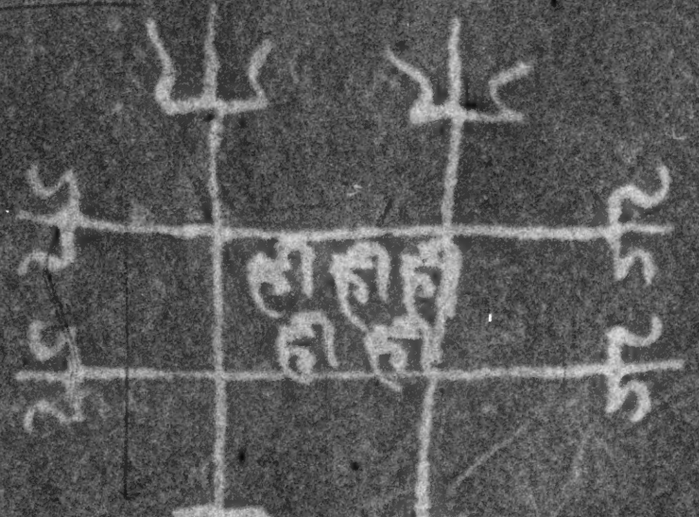

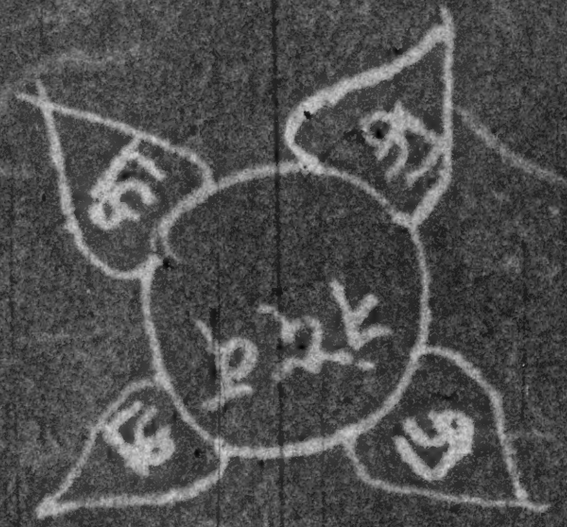

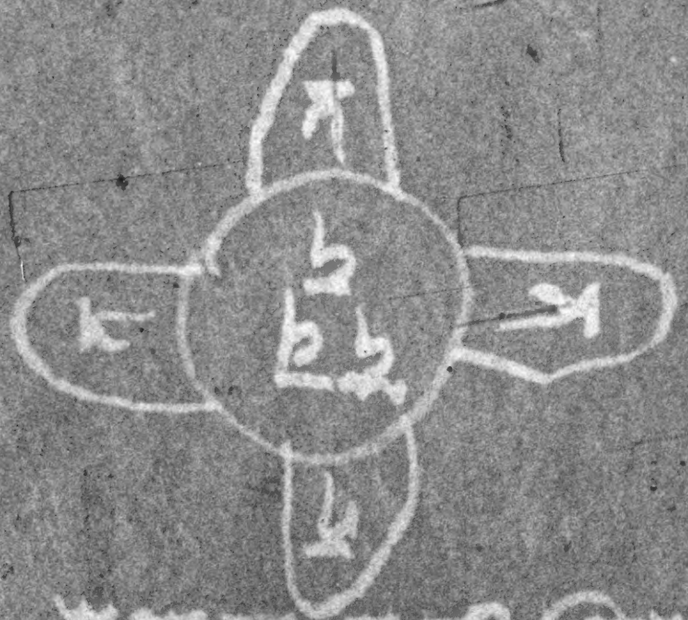

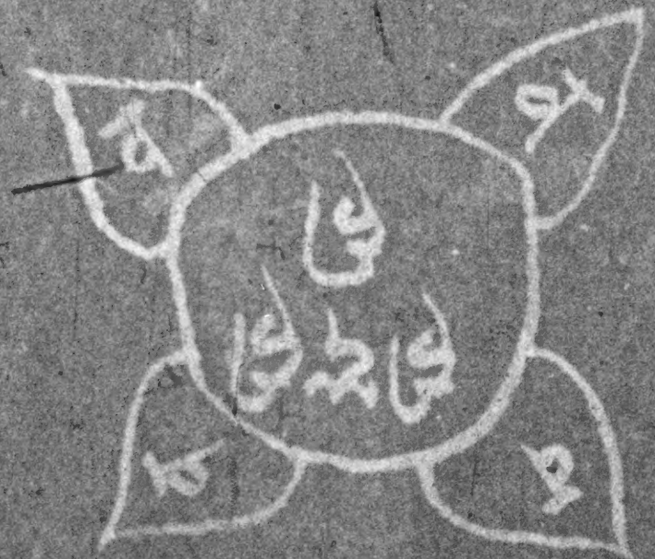

मिश्रावस्थायां

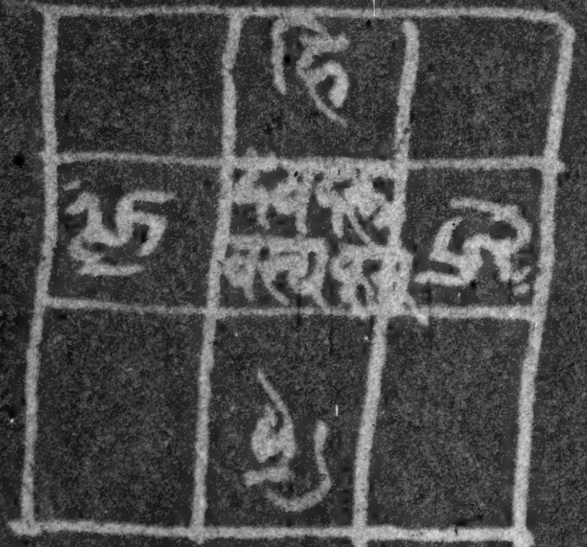

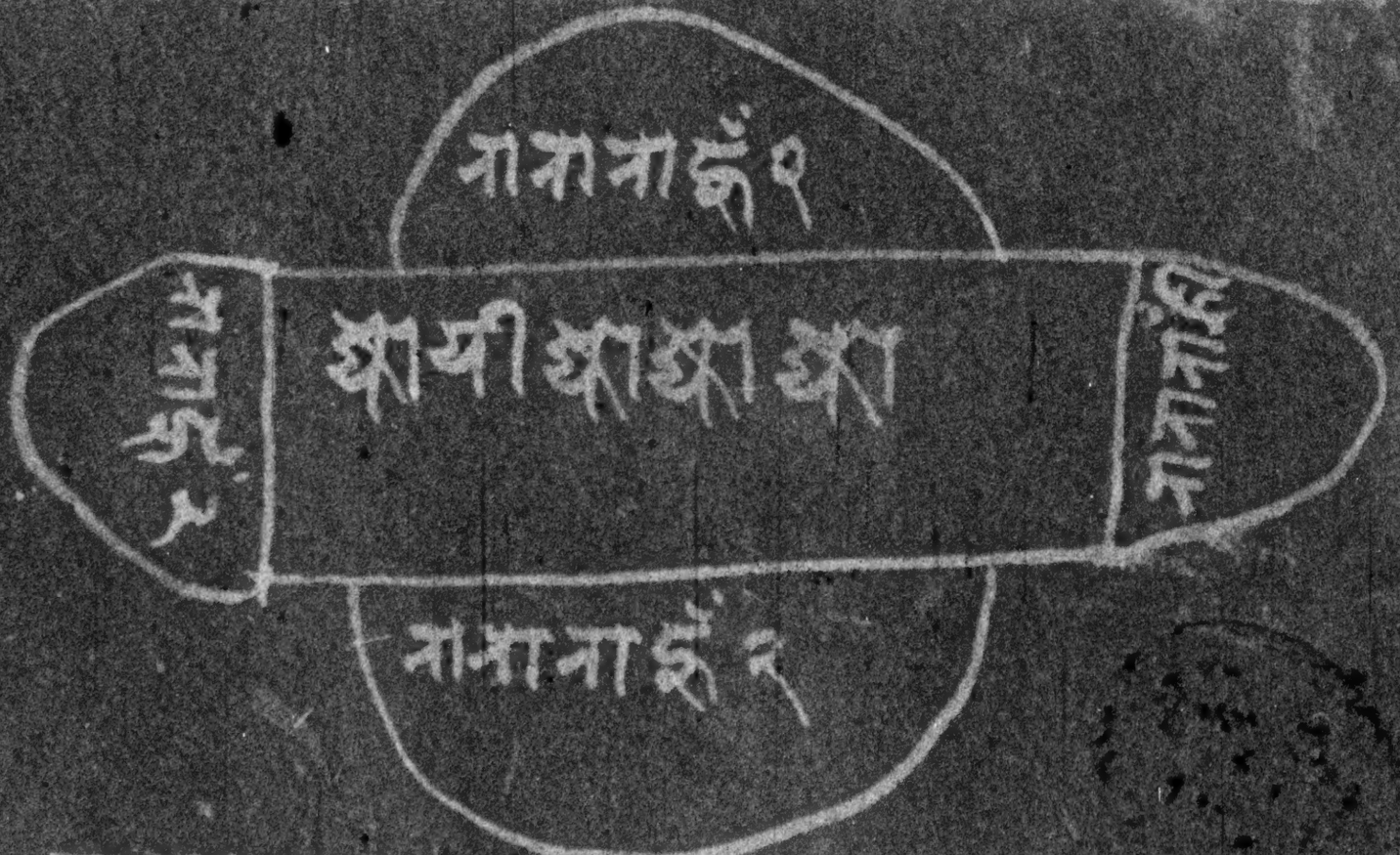

अक्षरगंधनतर्जयजसवो
यथऽनामसिसायानामं
वायनकसङ्गायवस्य

यक्षचननवोयाऽऽसनसथूनकासङ्कासिद्ध

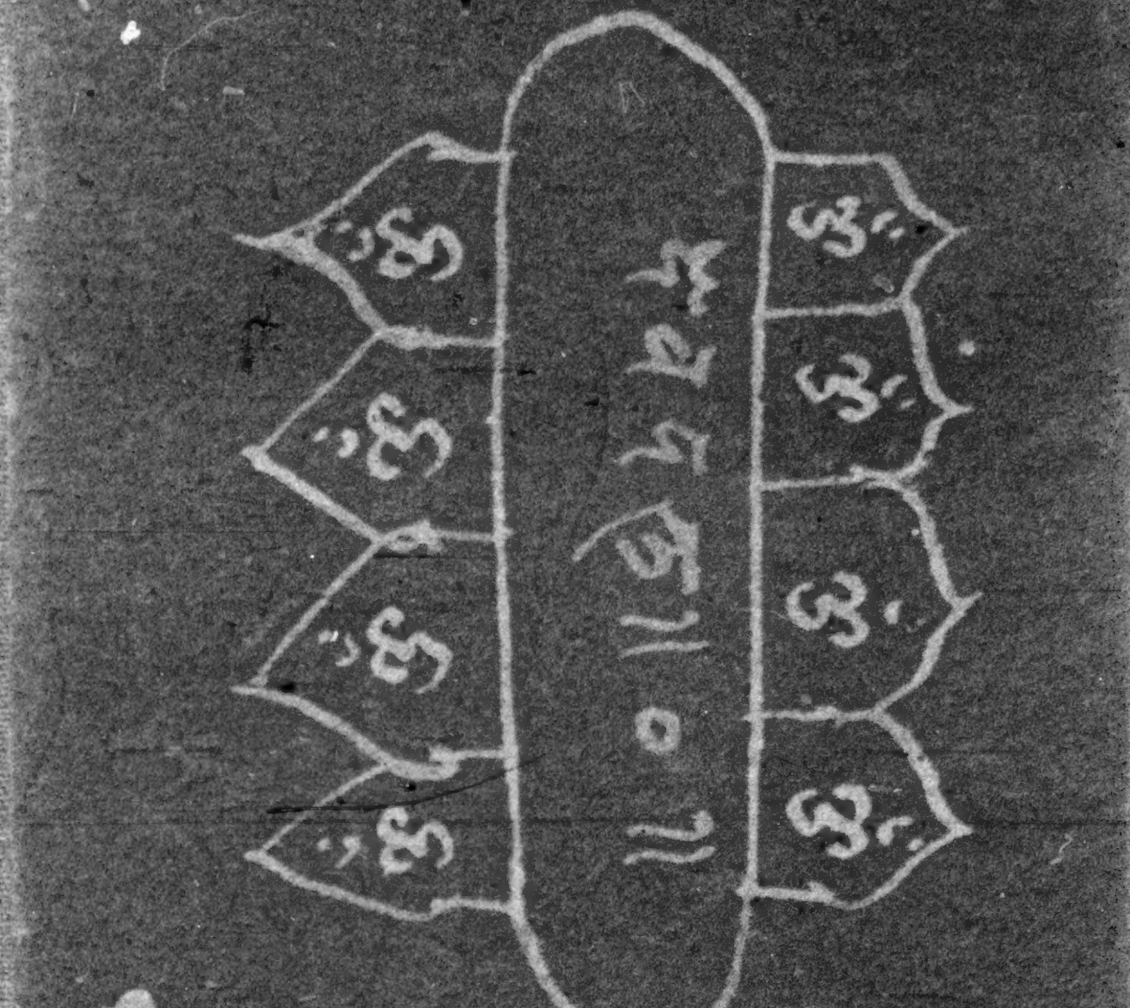

कंकुमकर्पूरकाचननेत्रंजपत्रसंयो
गाढ्यंस्थनवासनकंचेलक
स्तिनबालाढ्यंकंभपूर्णघ
यंकलहया।

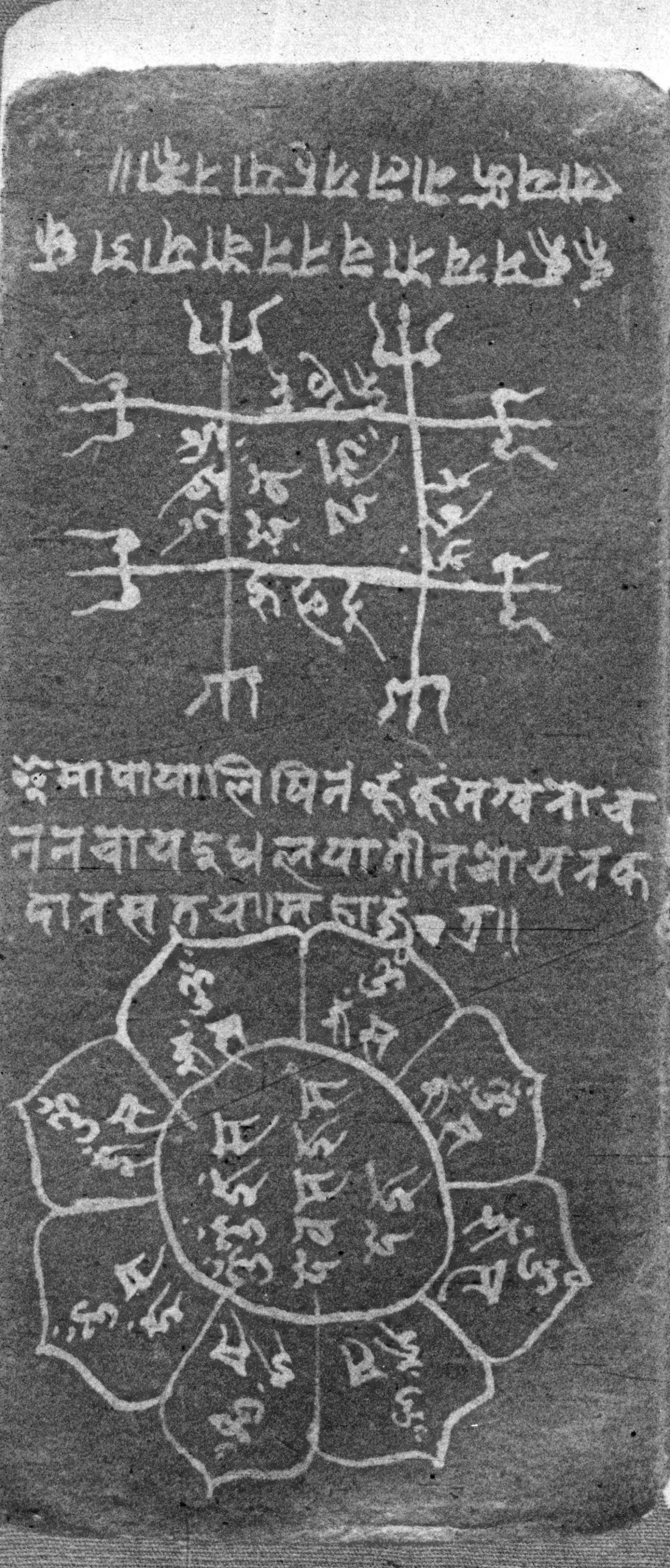

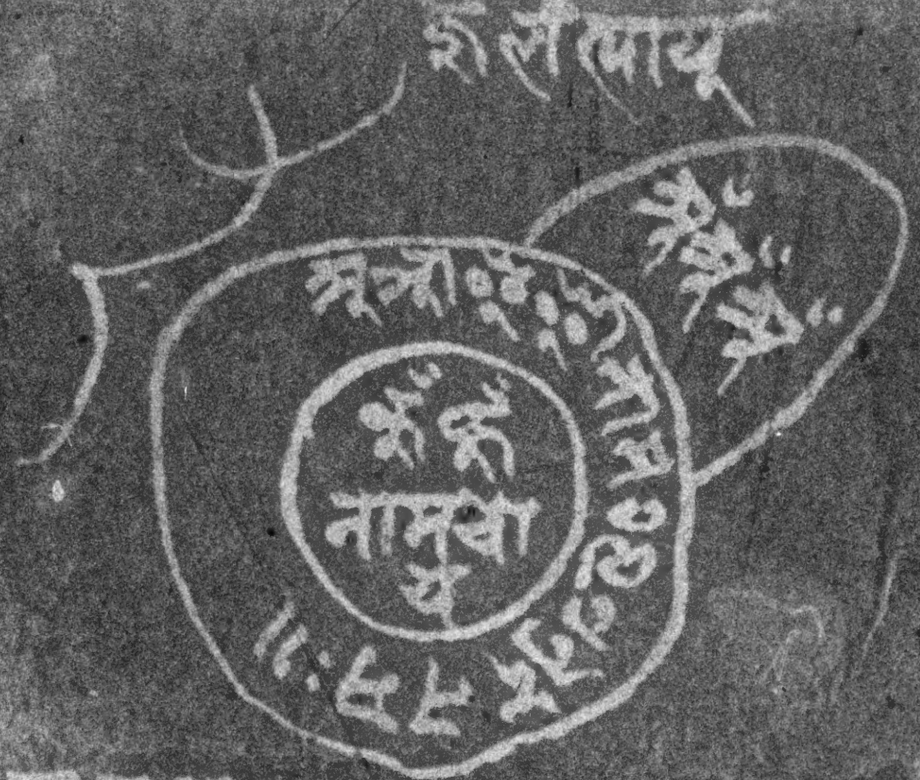

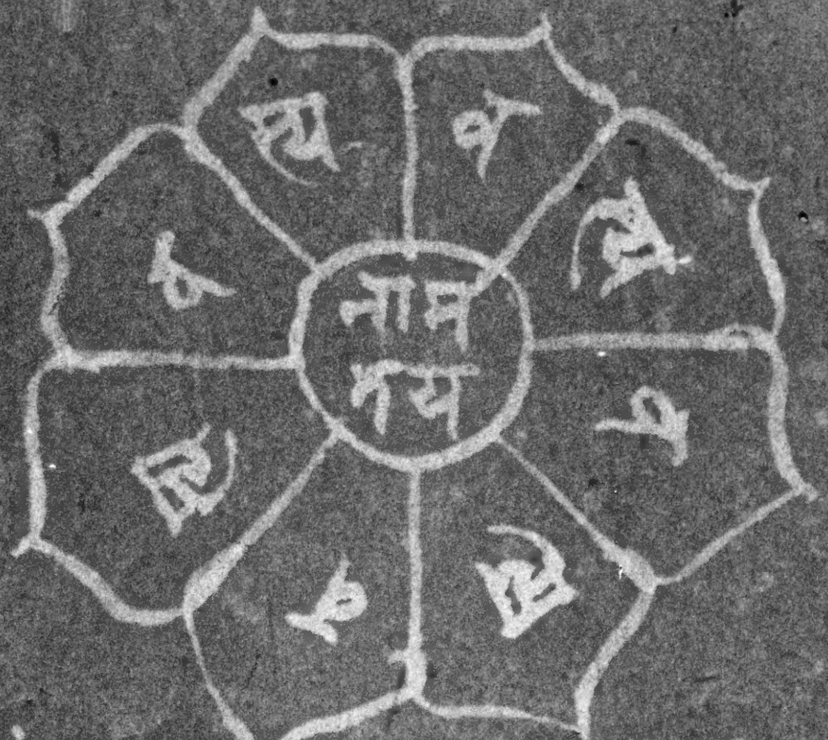

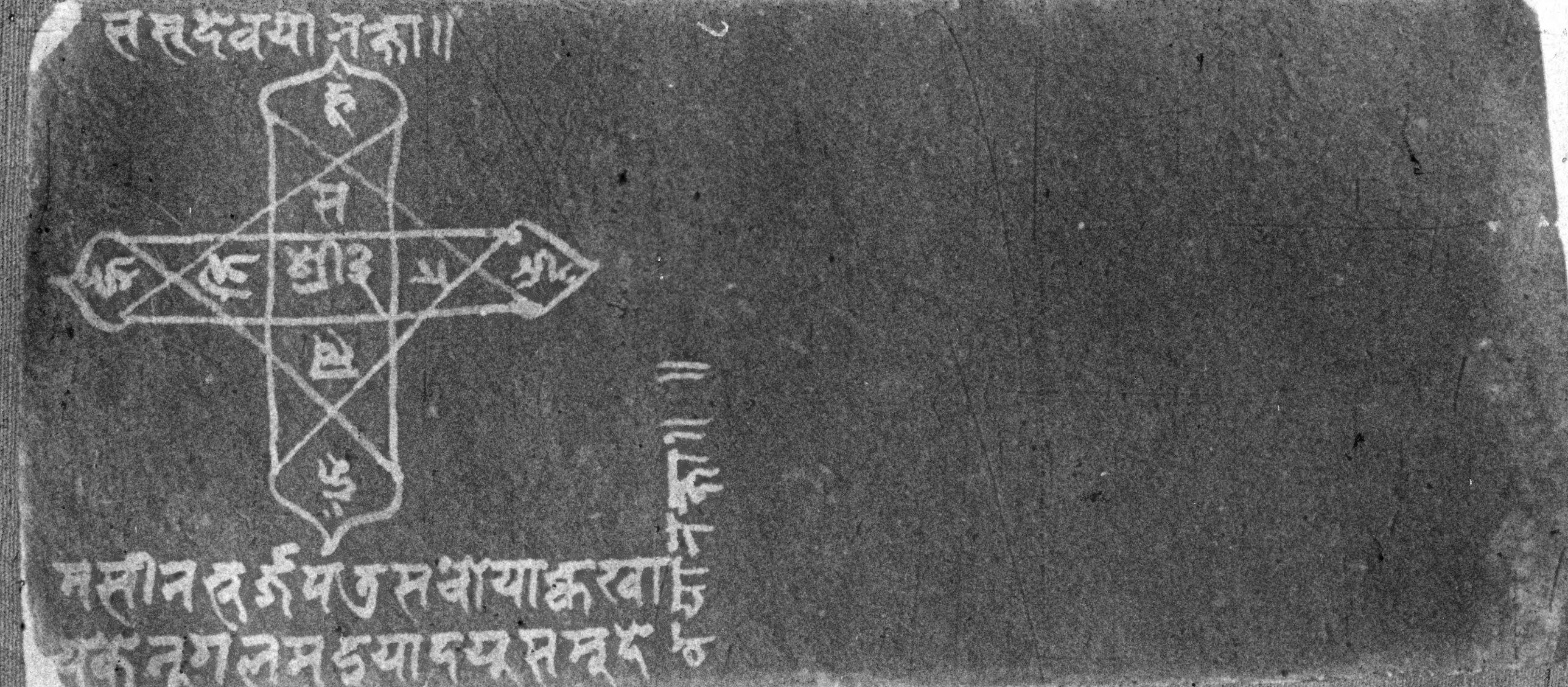

जिसायानगलसानया

भाहन लाकवस्था लाहा गसे एजा न्यी कम टीक न्वा ठ स म ष्थाङ
प्रशाजयजस कँक्स न्यलचे एन छा स ला सजा गस प तीना ट
हूपजा क्क कोठी आ गज व स न पूजा ज्ञ छी मा ल

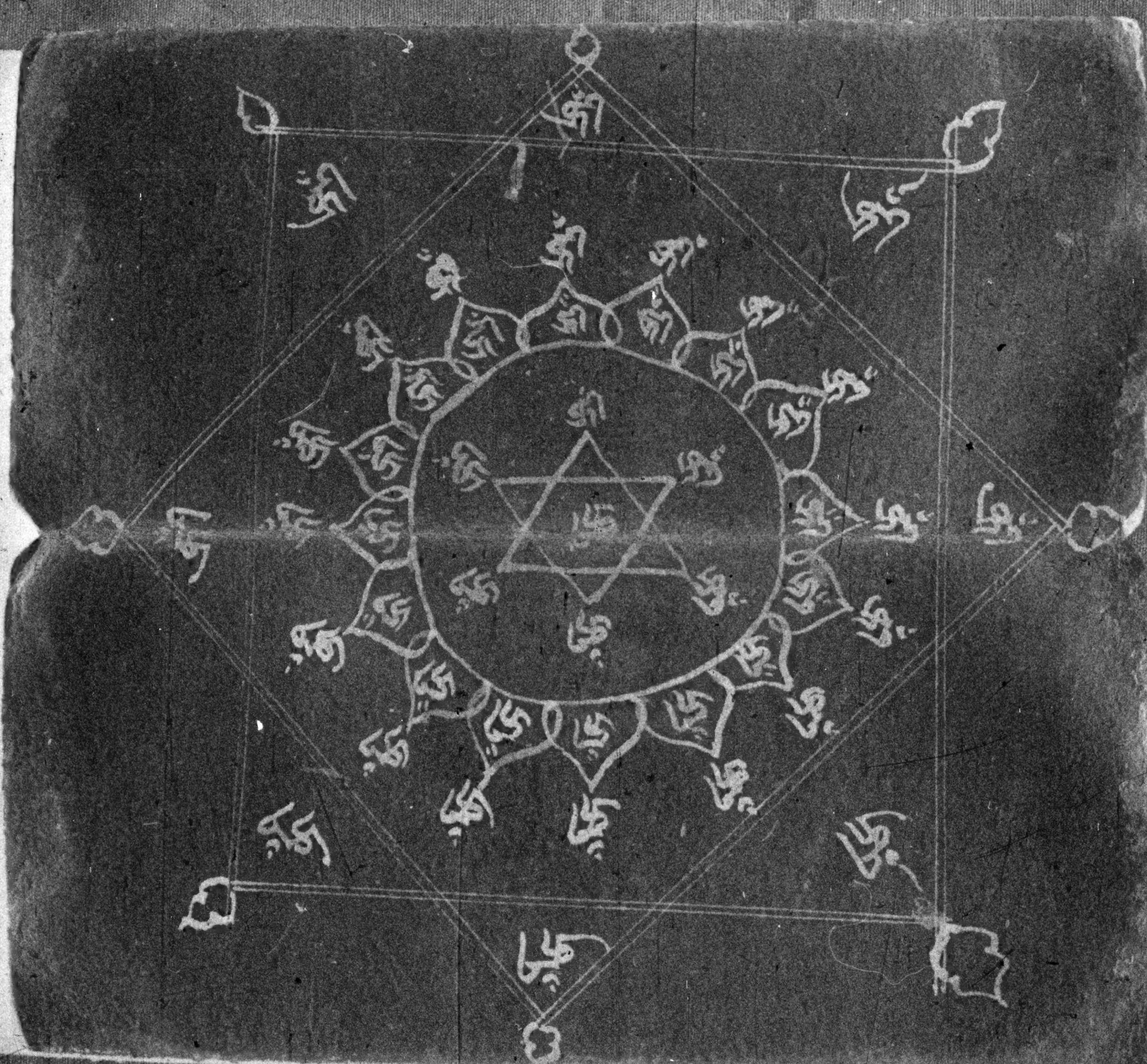

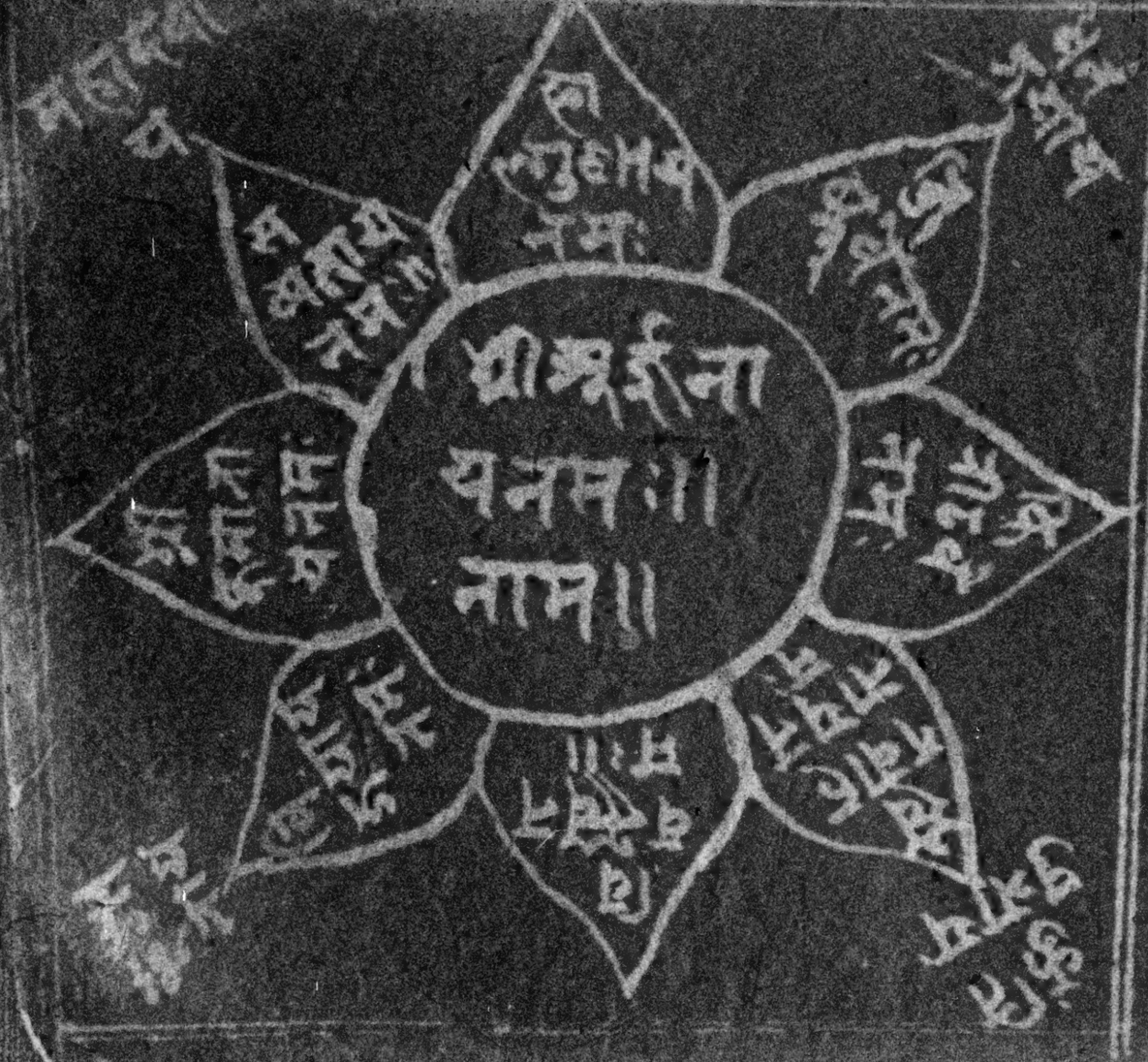

धजजलदूसुगंधनदर्पजसचोयमंत्र
लेखारेवूकायकाकुथनपूजायाश्रवे
प्रतिछायायकंकालकानलिनसाम्मसया
नकारवायकंसर्वनागेनास॥ ॥धजर्हन
नाम१२वगलतियाहलसचोयाजधूमस
पनदूजायागडाखियनसहराजसा
भमयाम्यथलखासगयसर्वभागनाम
सहलो॥ ॥

ॐ श्री वालक्ष्मानी सर्वस्वया पक्ष निःधक: ॐ काश्चा नि श्री ॐ स्वा म कजा
नि नी क्ष्रं ख्रः स्वा हा॥ क्क॥

ॐ सर्व काय नि २

मनोचन चक्षुस्त्रन मिसाया नाम वसा
ॐ मज्जा वलेज्वोया जा मिसाया च्छ मथ ना
कंकस्तन वजा पस्त खन दयके मिसा पिका
वसी क धुं॥ ॐ ग स्व न्ज जिजा आदिल वान
जिजा वा हान दय काज पूजा याथ मा ल।

३	८	५	४
९	५	७	७
७	११	४	७
७	७	७	७

ऊँ धाँ नवँ ष्वँ त्रँ नँ वँ ध्वमीउ वाग ङे

उँ व मनुनयक्ष ३३॥ ॥ ध्व ऊँ उ ह्वउप

स्वायवसीक ध्रुँ मिसा पिकायमा

न. ऊँ उ वायाउँ मिसायाक्के स्व

न्ने जिउँ मिजनयाक्कँ सँ क्क नयान

जिउँ॥ ~~अउमि~~ थमनधयाक्क मि

सा पिकाय॥ ॥

को स्वायकें क्क लनयाखियागस

सपार्गे जिउ· मा हा मानी लाय

ङै उनक्क स्वायाअनय॥ ध्व ऊँ उ ग

ी पाक्ष शिलसगयाआ पूजायाय

प काउा पूजा याम. ध्व ऊँ उ मन स्व

॥ वउन स्व मनवाय॥

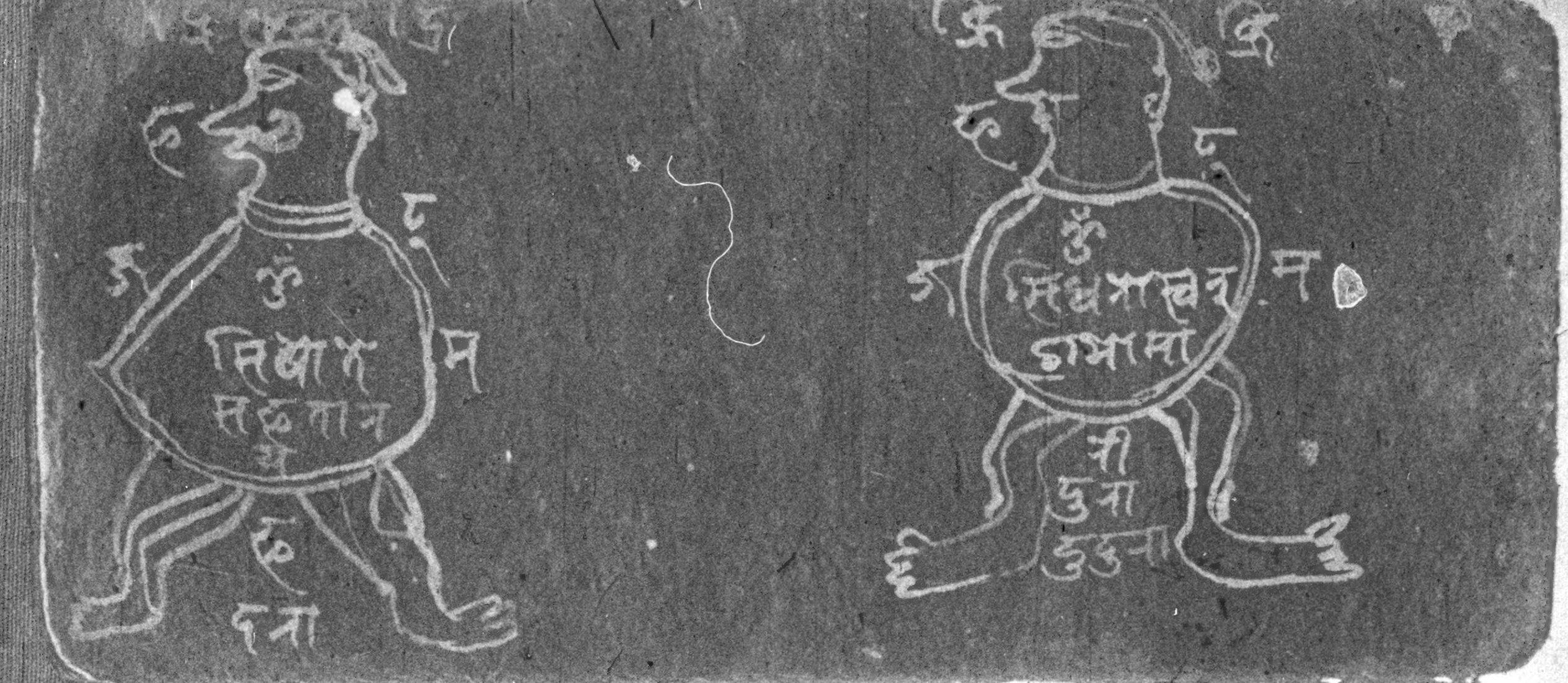
ॐ
सिद्धाश्रम
ॐ
सिद्धाश्रम
प्रभासा
श्री
डुंगा
डुंगा

थ्रजगत्रजपत्रतथायाऽ
॥कुकुमाम्बतचनथाय॥
जपचूतायायाहिपिका
यजथायाजक्लिन्न
नयानामथायाजंज
नस्थानमिजनथ्रजावस
कायगाजपथूथ्रिशाश्रा
भिसाजन॥मिजथ्रजावसकायगा
थ्रिशाश्री

थ्रजगत्रजपत्रतथायाऽ
यथोलापचिदयाहिनथाय॥त्व
नीयाकमाहनीस्यायाऽहयायुल
नैथाय थ्रऽावस्कायक्लमिजन
यानामथाय॥मिसानथ्रऽालमास
जायमिजनवस्थायाय॥

ॐनमोगुरुआज्ञाउच्छसकाकीकलनलक्ष्यरुप
ज्यरुआज्ञाधनगुरुस्वगुरुशक्तिमाग्यगुरु
धस्वगासमागयाराजासर्पजमपालविस्फुरुफालकानाहि
मउल्लाशेषनागनास॥ ॥ॐनमोगुरुआज्ञा॥उग्राधीवन
लनलनघरुदस्वाहा॥धनगुरुकुंचुंचुंवुंशक्काशक्तासा
याडजपयाराजाकायसाध्य॥ ॥ॐनमोश्रीगुरुआज्ञा॥ॐ
वावाघीनकंखुरुमानानानामनेकरुपस्वाहा॥धनगुरुकंजाडा

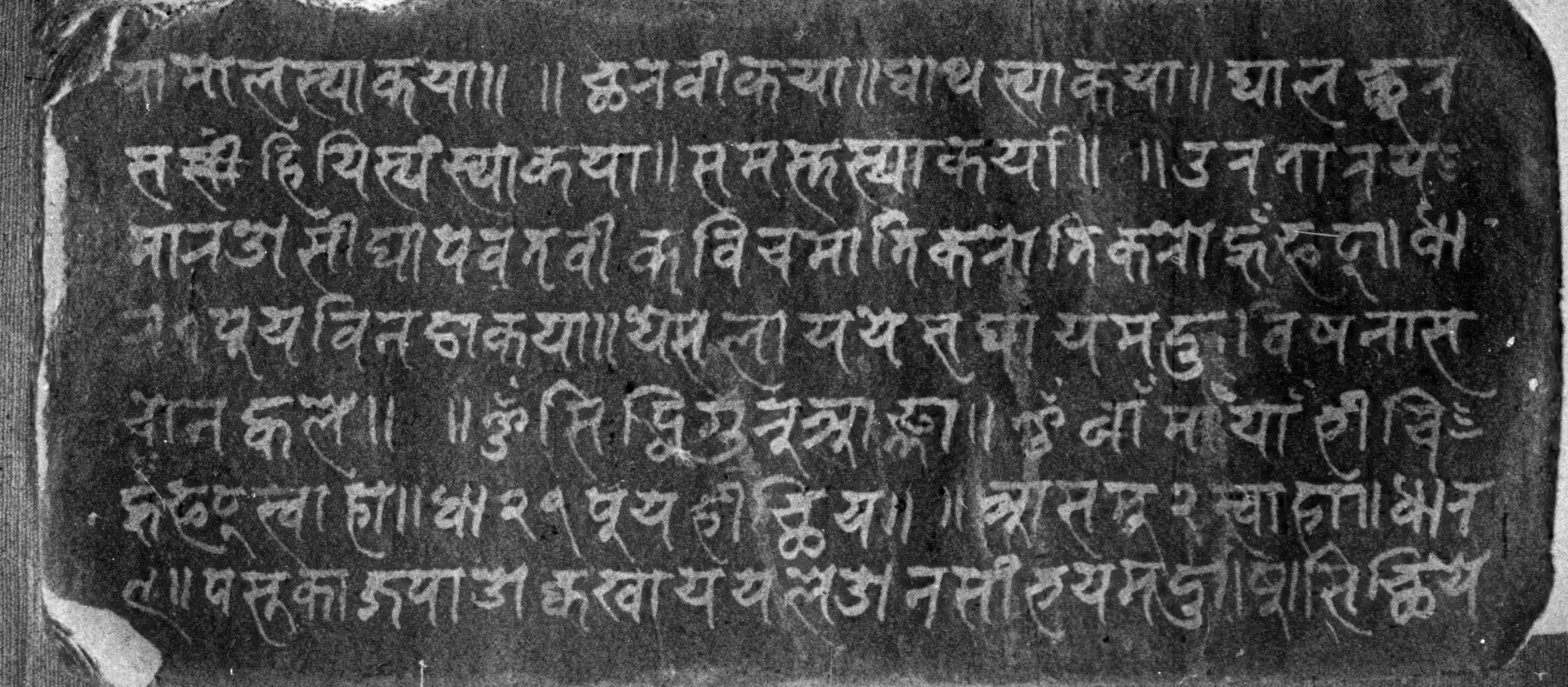

जिह्वायै हृदयाय नमः ॐ सं ग्लौं स्वाहा शिखायै वषट् सकलमा
त्मसंरक्षणाय घातसंघातनाशनाय ॐ नमो भगवते
स्वाहा शिखायै वषट् सकलजगत्क्षोभणाय चक्रमुद्रा ॐ श्रीं सर्व
शत्रुविषूचनकरणाय ॐ हूं फट् स्वाहा शिखायै वषट् पूर्वकुलाय
॥ ॥ ॐ हसौं स्वाहा शिखायै वषट् कवचाय हुं मृत्युञ्जय
अक्षतेश ॥ ॥ ॐ ह्रौं त्र्यम्बकेश्वर महादेवाय शिखायै वषट्

ह ॥ ॐ श्र २१ ॥ ह्रीं ज ॐ स्वनकडुमछमिसायाडुडुमयक ॥
॥ पीलवकदकंश्वन ॥ ॐ न ड ॐ ज पयूषा ॥ ॥
रज्ञानिनाथनथसरलसाकासनवोयकाऊँ ॥
याजमंहश्वलीयातचऊँ ज्ञानग्रुग्रुवकाश्रह ॥ ॥
ॐ ग्रत्स्वपथिनभाजंग्रवधेनयातधनचरा
थुम्फ्रिंकम्फ्रिंवचाकम्फ्रिंतंवम्फ्रिंजंग्राजऊन्यास
वियाजम्फ्रिंसिथियायवर्वकऊँ जामालहत्रा ३ ॥ ॥

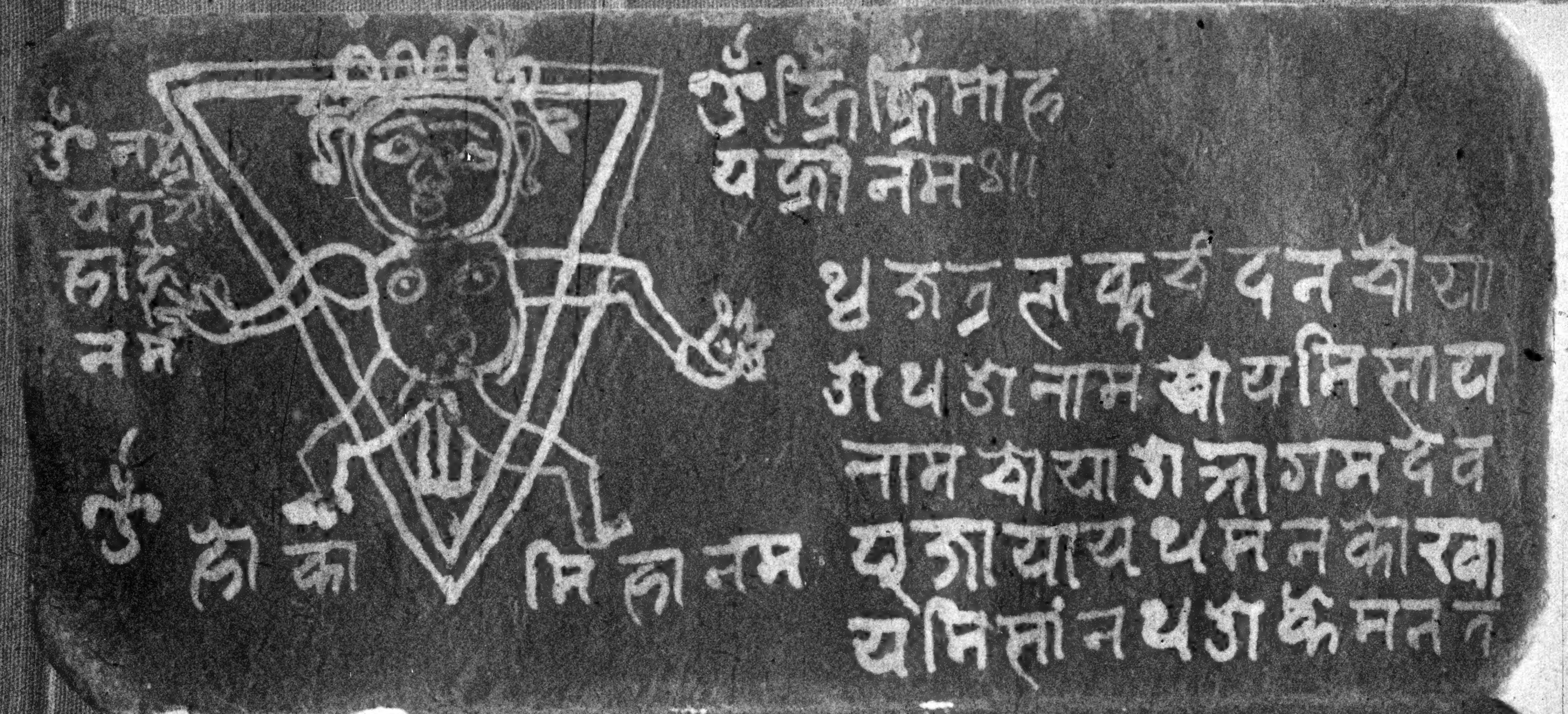
ॐ ह्रीं क्रीं मा ह
य ह्रीं नमः
नाम वा या ॐ
ॐ ह्रौं क्रौं
भि ह्रां नमः

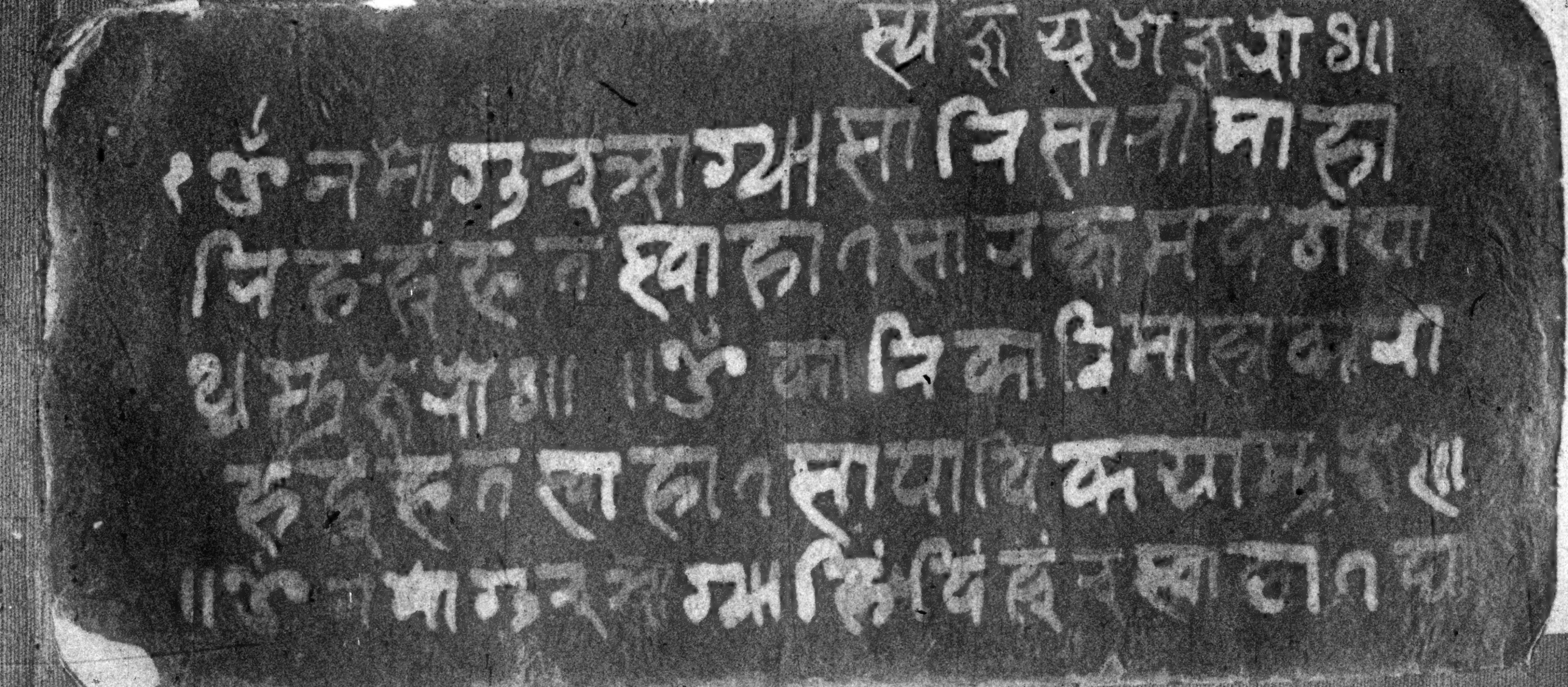

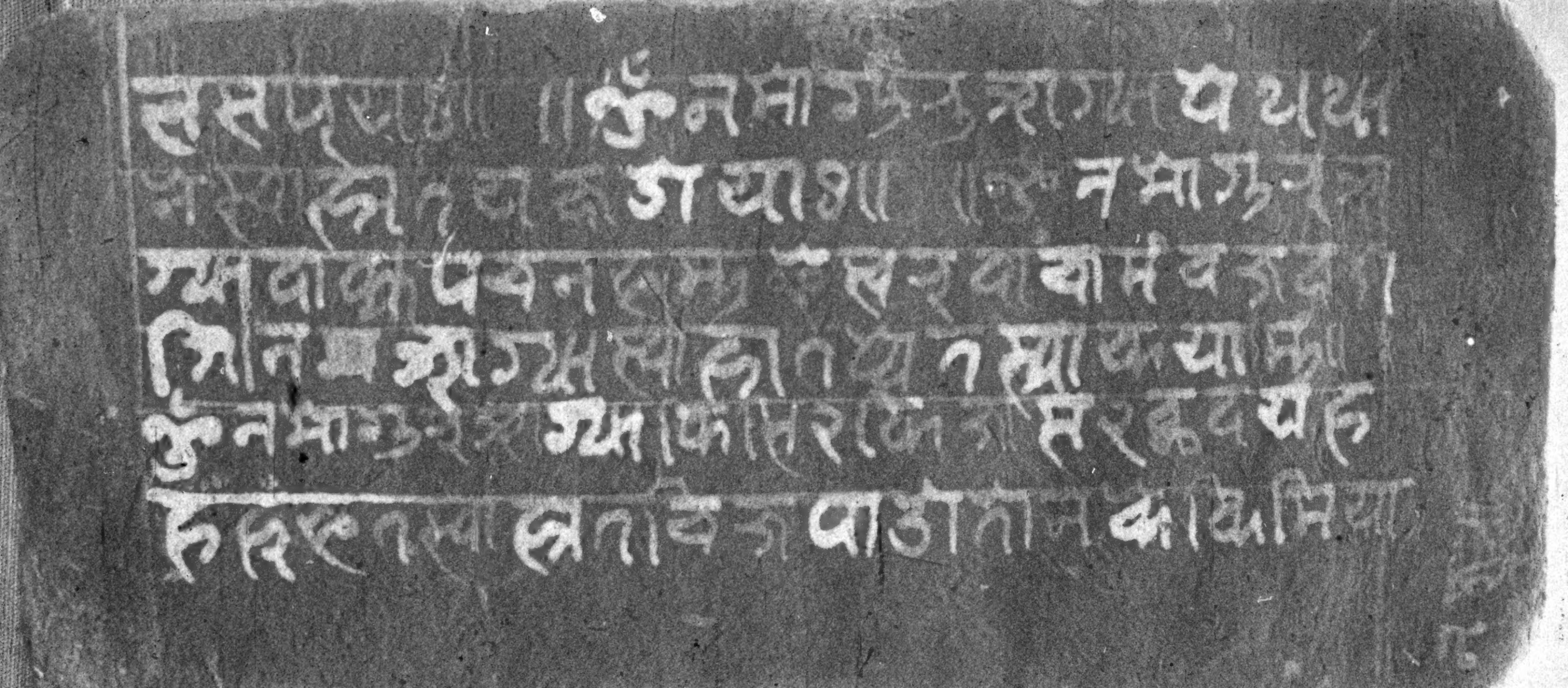

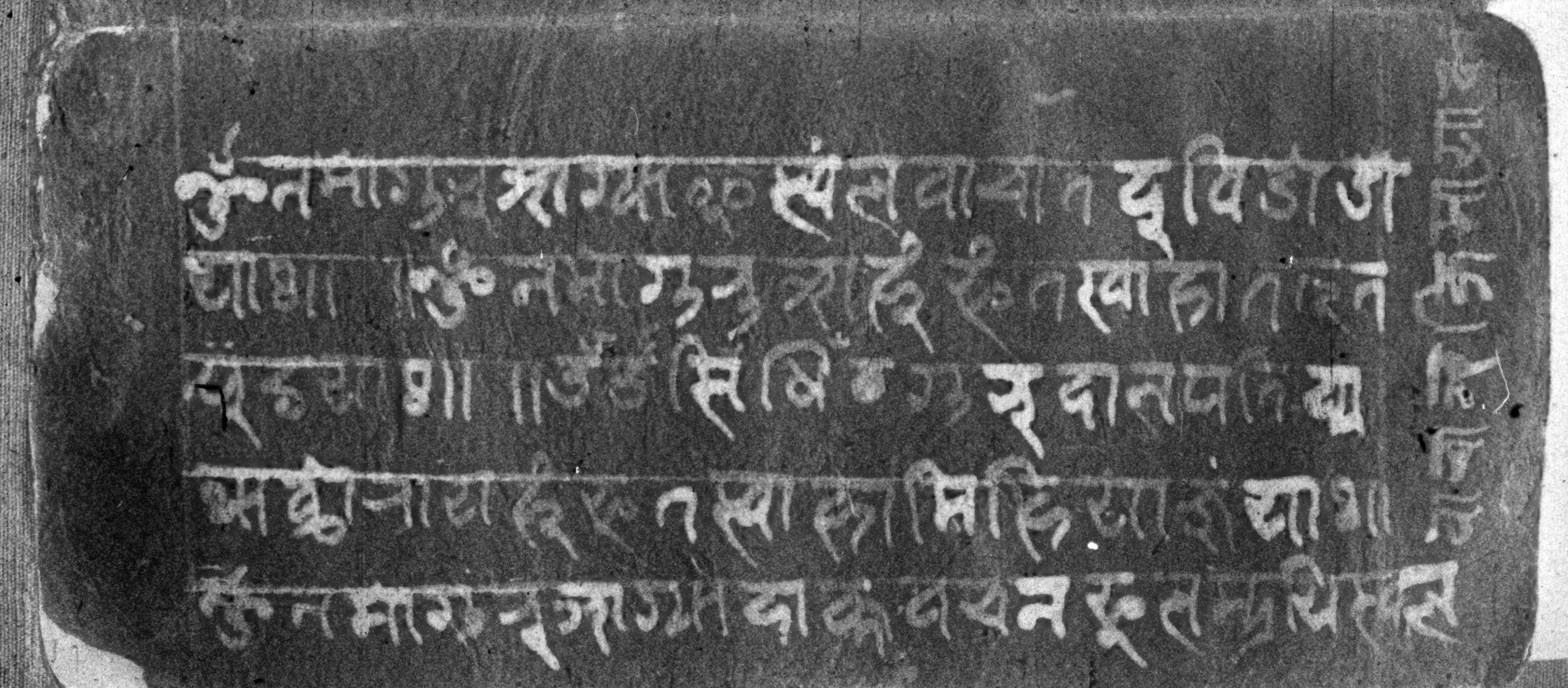

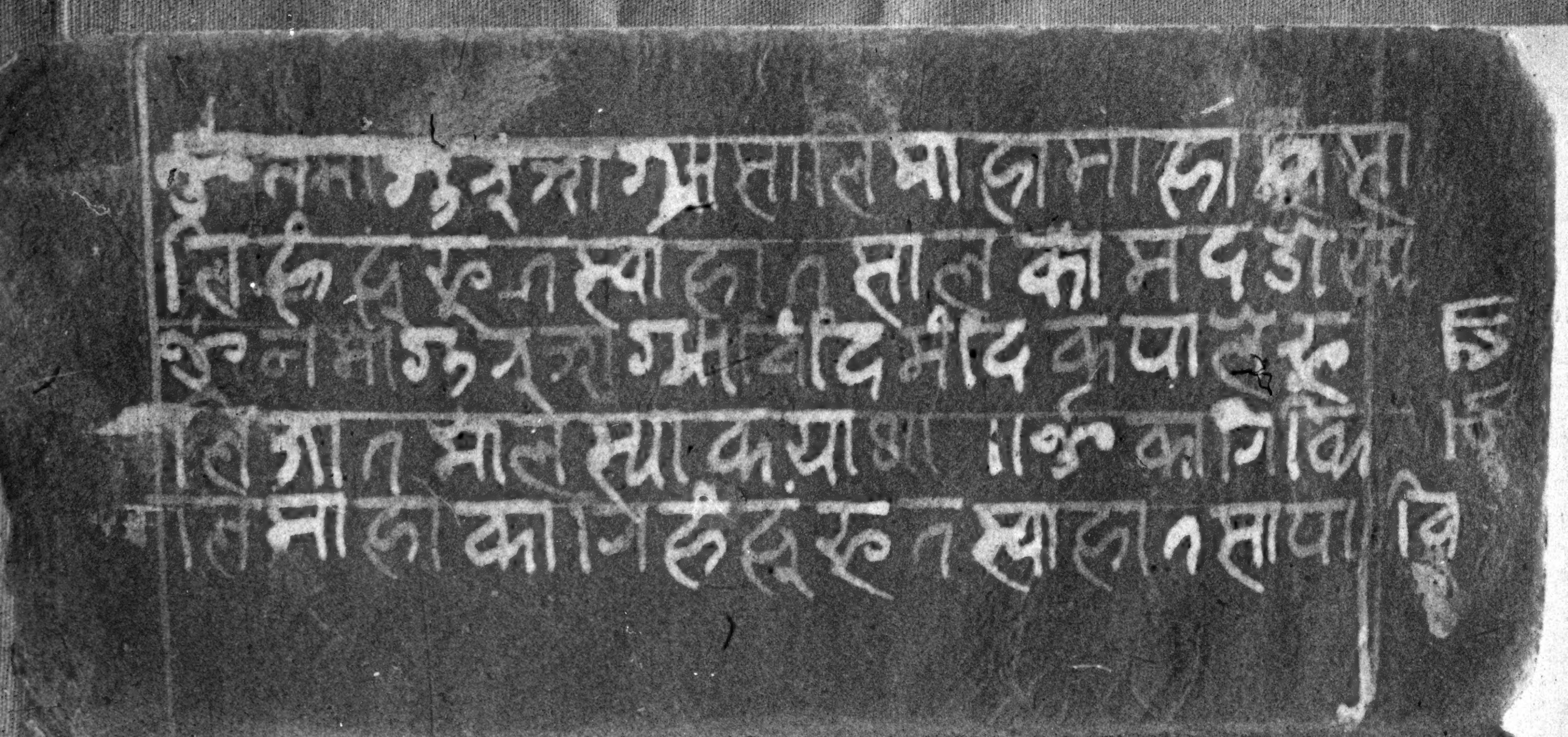

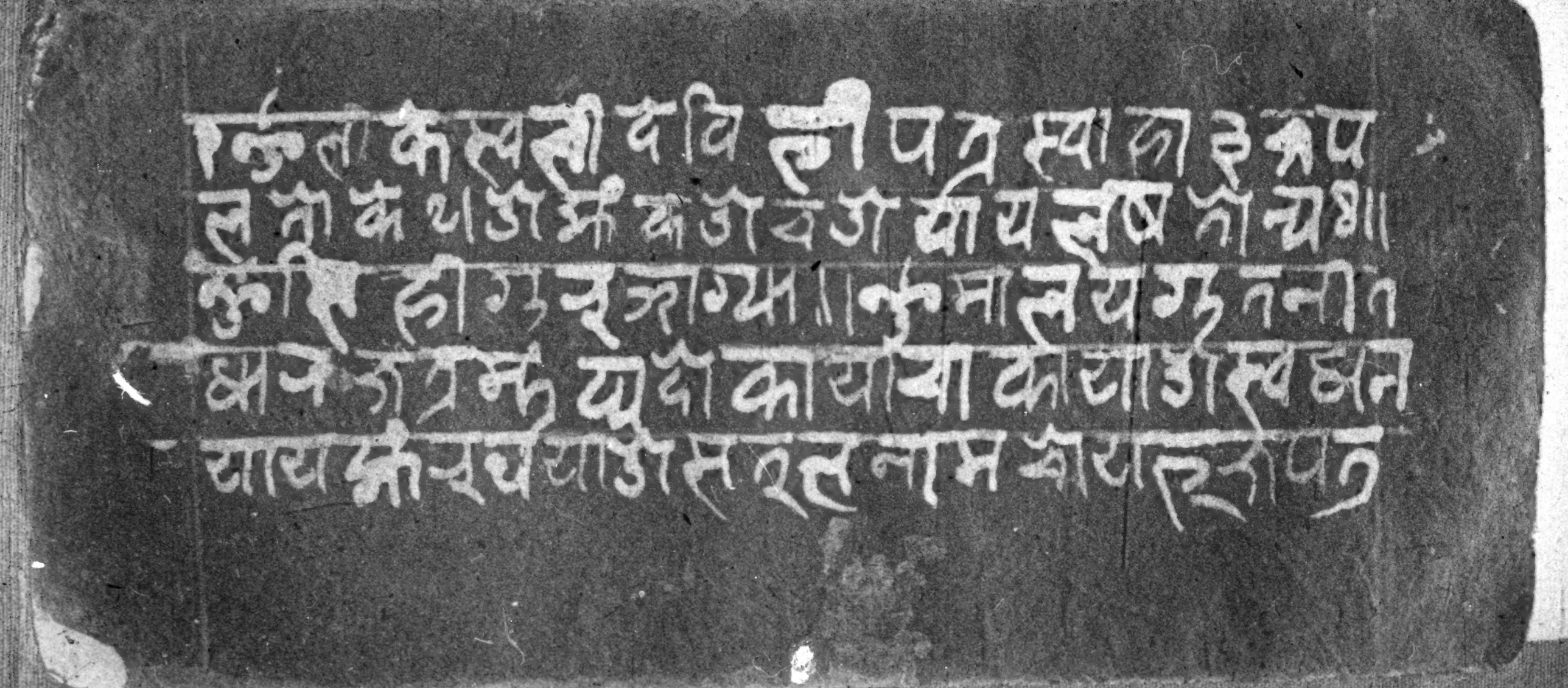

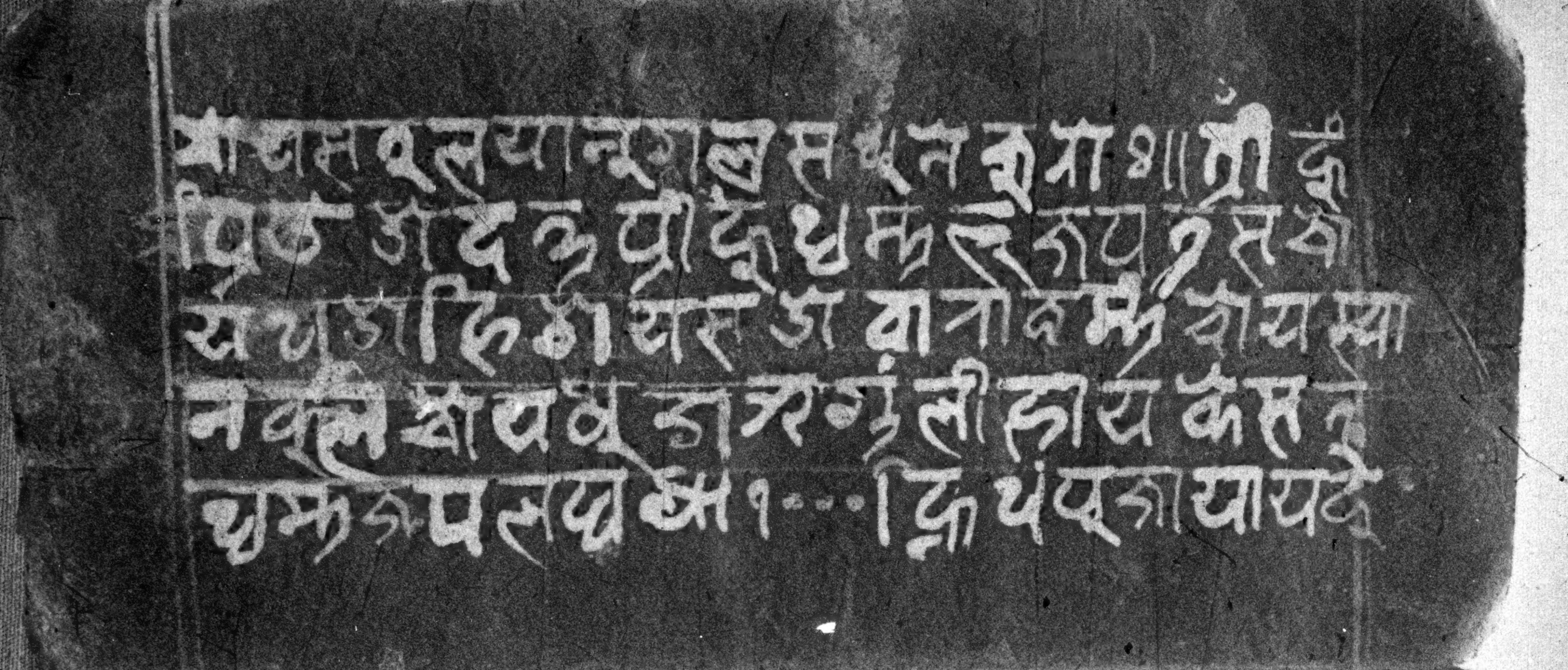

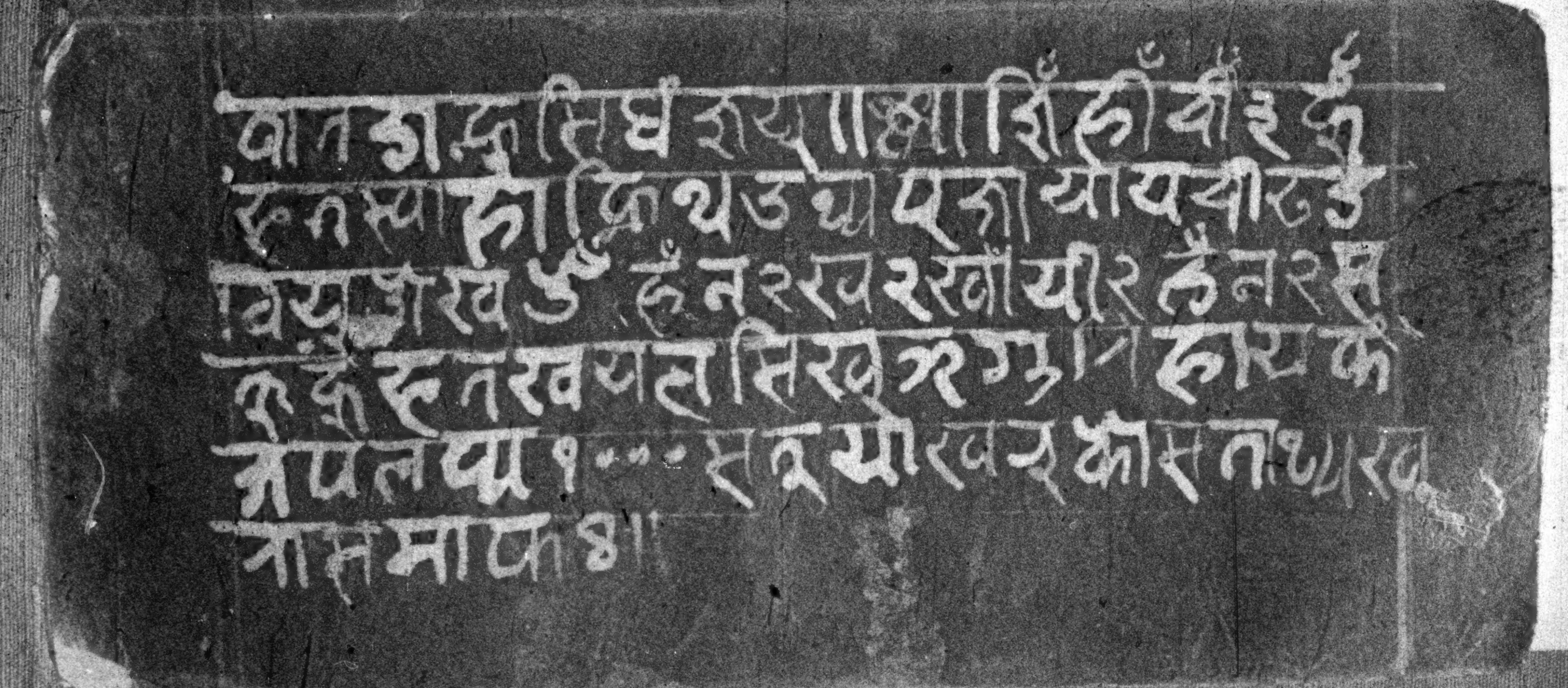

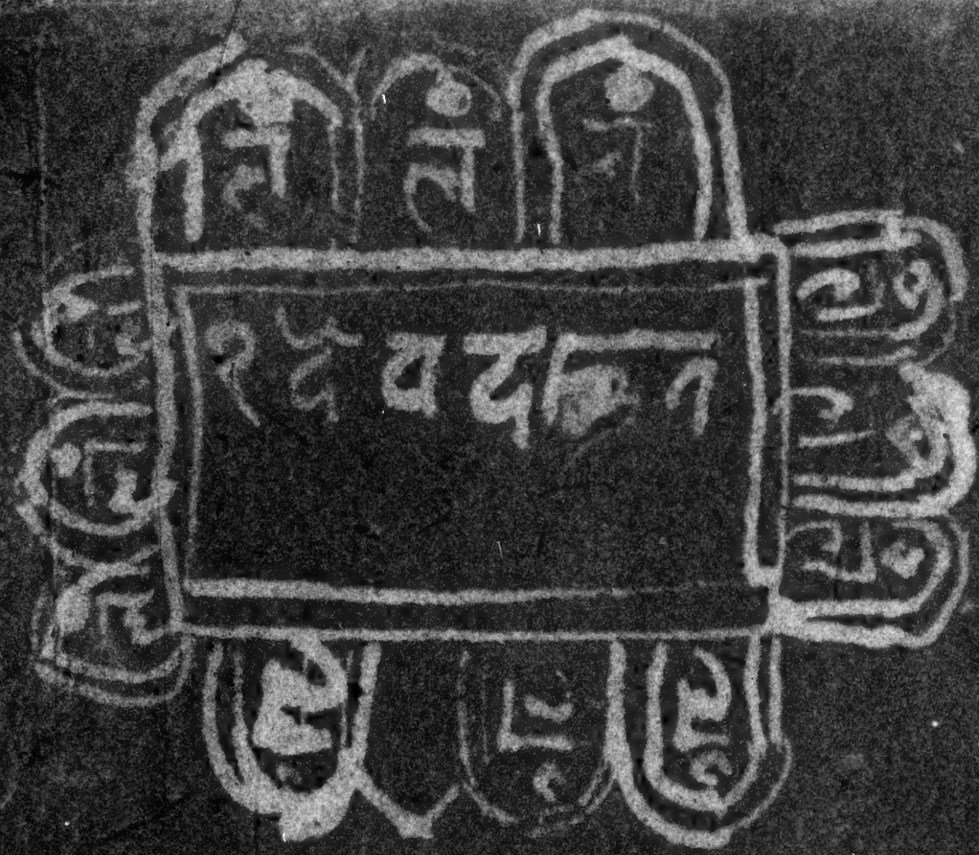
ॐ नमो देवयजनाय
ॐ नमो देवयजनाय

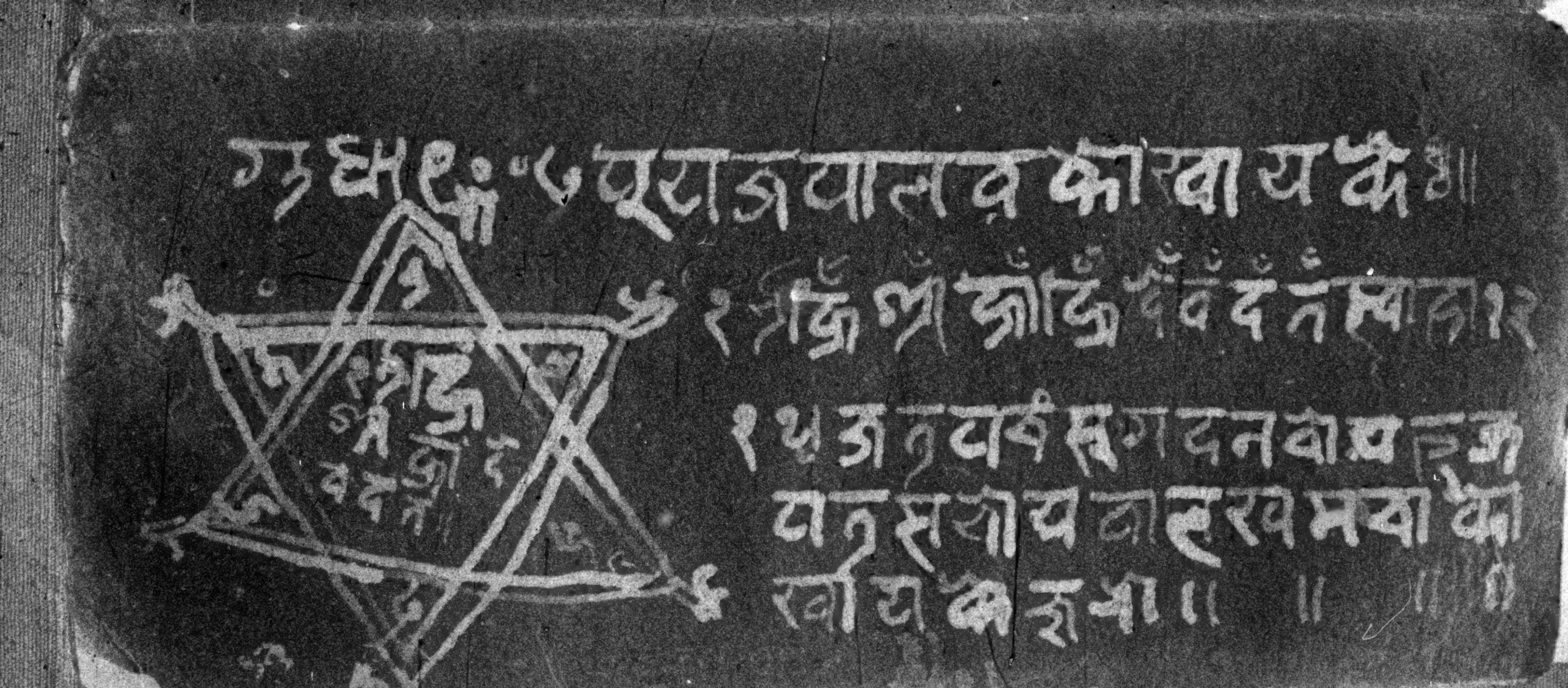
ॐ घृणिः सूर्य आदित्यः ॐ
ॐ ह्रीं ह्रां ह्रौं ह्रः वं दं तं स्वाहा
१ अ त्र वर्षं सग दन वो ग्र ह्म
यत्र सयो य ना हरख मया वे का
स्वा य क ह्रा ॥ ॥

ॐ सिद्धि गुरू आज्ञा ॐ काला भैरूं फट् स्वाहा ॥३॥

ॐ ह्रीं ठ व व सा हा ॥ जप से सा लक्ष्य जा प्य या ये ॐ ष्टो
सिद्धि ॥ तुं गुह्य मं तद्धो रं कस्तूरी सा दु द्रु रं मासि
जाकि: थड़ा ता ना पक्षा ना हो म य्या ये ॥ ॥ ॥ ॥

श्रीदेवीः श्रीमाहादेवः

३६	३६	१	१
६१	२१	२१	११
१२	२६	७	३
३	५	५१	२५

८ श्रीचिन्तामणिलिखितं

श्रीचिंतामनिलिखितं
धनुराकरसंभवस्य
वनिः-लक्ष्मी भवतीक
लुरिसोअत्रपुरुषव
स्मभवनिः अश्रुगर्भ
सोराजासनुवस्यभवती

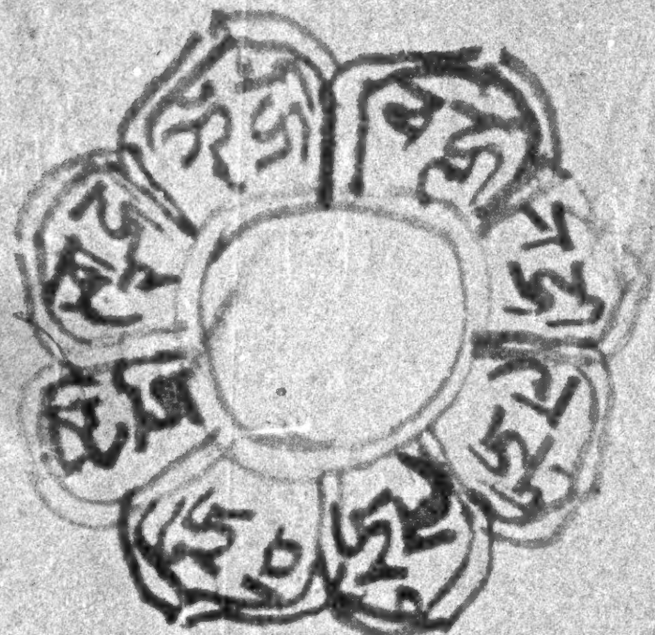

श्री यन्त्र
॥ यन्त्र ॥

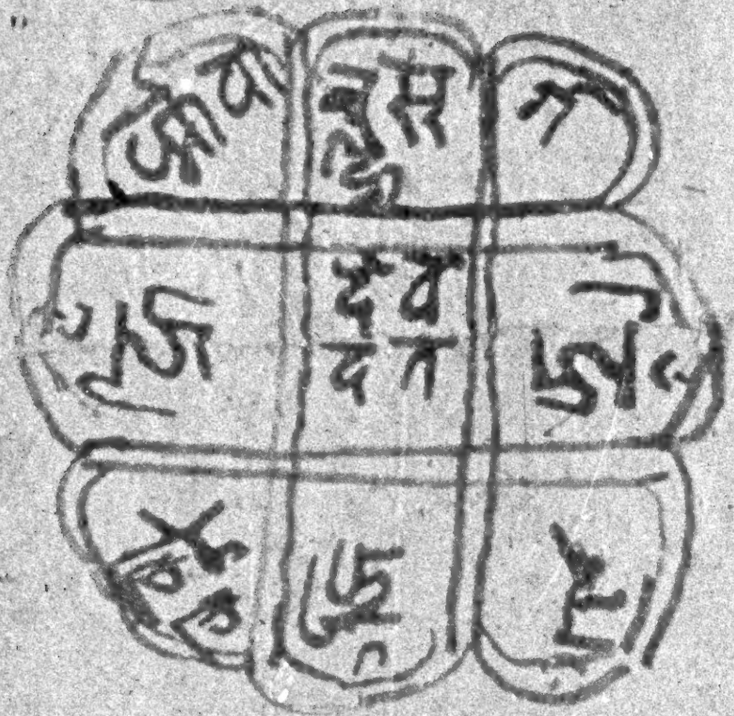

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ब्ब्रीगहस्यायनमः॥ॐकरानकंमूस्वाहानामघ्रकरव
साहानामरूपस्वाहाठ॥धचेणमाचनथ्यामंत्रः॥ॐनेत्रे
केगकंयकनञ्जनेरचयोगिनिञ्जस्यनमर्यचकवल्लिकव
रूस्वाहाठ॥धचचेठवल्लिकघठ॥ॐनमालमनामि
याय स्वाहाश॥धाचनथ्वमेणचिकनस्जयलयमा
लनमियकन-नामथ्यनाउञ्जमिदुनरूवाहठआयकहु
अथा॥ॐनमास्वाहाठ॥इधचया लनि स्वुमलकयके

नमान एक कुयक्र अवम शय्क। याचि आम वच धूनि
याचि। कोउ लिया षि मुग्रलि नषकुट इछल य थ्या
धूपन जीव तृष्ठ॥ ठूंठ जडा का कट बेचा यू का त्र क्रमा
रोचू यस्थान लिहा य थ्व न धूपन को डान जीव ता ठ॥ न
धूत्र यबोजि नो या हाय न व्याठ धू नू लिय व्याहा क
ट्रेमस्थान या हग्वाल ठ॥ थ्व मूलाडा बेन नि थ्व तथ
माहिना झलाठ न श्री गुरु थलस्थान या हा मी यें रथा

१ थमभाथिक्रि नयाक
ह्रा भ्रा थ ज्ञ त्र हू ज्ञ
या त्र स र्वा या ॐ न
च क्रि क्रू म श्री रव
द ग्व से र्वं न थाप

ॐ डाकनि शाकनि प्रजामाकानि सत्यसंकविवा
गलखलगलमिलाॐ सामरुनामंत्रमचिसिचकर्मलाॐ
आमीधपखाॐ माचिमाकाचूकिनावा ॥
ॐसिचखलसिद्धुचिॐसिचखलसिद्धुचिॐसिचखलसि
द्धुचियाज्ञनाकोगडजासभ्यालाग्योसमकायुत्रकिवा
चा॥२॥

ॐ सिद्ध सिधस ते वो लाई वा सा वा धौ डा ई नि
सव का ऽ प्रा त रि त फा रै श्री अ ङ्गि ज्वा ला जा लौ
न स न पा रै वे ट नि त्र ला ठौ ना स क प मा रै वि
। ब वा ह्ना ऽ ग्ना रै सि च गु रु फि वा सा ।। ।। ।। ।।

ॐ श्रीः ईः संषा देवि मन हमा ईका पा डमेघा ई रचे
पि छा सर्न पा ईः घा ई वा मति श्रा ई छो डा वा युला
ईः चेत श्र चेत नं ड डा ई संषा देवि मा ई चि मे म
न त का ई चेत श्र चेत हो ई मा ई घा तु चु टा ई छा
टा कि रा ई म ह मे मा ई दो ष स व चु ट् जा ई श्री संषा
देवि कि चु हा ई ॥२॥

इति रक्षामंत्र॥ॐ रे रे अंजनि पुत्र सत्य हुं फिट्
सत्य वाचौं: दक्षिन वाचौं: पश्चिम वाचौं: उ
त्तर वाचौं: पूर्व वाचौं: आकास वाचौं: पता
ल वाचौं: नव नाडि वत्तरि कोठा वाचौं:
रोम रोम वाचौं: मार मार कोट को ट ॐ
नमो राव नमो आनंदा रहि डिंडि विडि वि

ङि कट्क ट्आवेस सेचेभ्रु तप्रेतपिसाच स्वच
क्रि नि सेक्रि नि मेरु नि जोगिनि वल ग्रु रुश्च
सः नरुद्रवाधैः ग्रु म देव ता वाधैः वं वं वं
मं ब्रं क्रें हिं ह्रिं आ का स य ग्रा का स विभ द्राय का
ता स्वि भा द्राय भु मे त्र व ल वा स्त्रि ना मं त्रा ई
स्वि प्रसादे॥ इति सर्व रक्षा मंत्र॥ ॥ ॥ ॥